No. of Printed Pages : **4**

GN-111

100173

III Semester B.Com. Examination, December - 2019
(CBCS) (F+R) (2015-16 and Onwards)

LANGUAGE SANSKRIT - III

Champūrāmāyanam Aranya-Kanda, Grammar and Translation

Time : 3 Hours

Max. Marks : 70

Instructions : *(i) Answer in **Sanskrit/Kannada/English.***
*(ii) Question Nos.**I, VI** and **VII** should be answered in **Sanskrit** only.*

I. **समीचीनम्** उत्तरं चित्वा लिखत। **10x1=10**

ಸರಿಯಾದ ಉತ್ತರವನ್ನು ಆರಿಸಿ ಬರೆಯಿರಿ.

Choose the **correct** answer.

1. विराधस्य माता का ?
   (अ) कैकेयी (आ) शतह्रदा (इ) शूर्पणखां (ई) मन्थरा
2. रावण: वने कां अपहरति ?
   (अ) मण्डोदरी (आ) शूर्पणखां (इ) सीताम् (ई) लोपामुद्राम्
3. जनस्थानस्य अधीश्वर: एष: –
   (अ) खर: (आ) कबन्ध: (इ) रावण: (ई) दूषण:
4. भोजराजस्य शैली का ?
   (अ) मागधी (आ) वैदर्भी (इ) गौडी (ई) पाञ्चाली
5. सौमित्रि: क: ?
   (अ) राम: (आ) भरत: (इ) लक्ष्मण: (ई) वालि:
6. भागवतचम्पूकाव्यस्य कर्ता क: ?
   (अ) अभिनवकालिदास: (आ) भोज:
   (इ) भामह: (ई) सोमदेव:
7. शरभङ्ग: क: ?
   (अ) राक्षस: (आ) मुनि: (इ) गन्धर्व: (ई) देव:
8. रावणस्य स्वसा एषा –
   (अ) त्रिजटा (आ) शूर्पणखां (इ) लोपामुद्रा (ई) मण्डोदरी
9. जातरूपमयमृगेण क: आगत: ?
   (अ) मारीच: (आ) रावण: (इ) खर: (ई) दूषण:
10. गृध्रराज: क: ?
    (अ) वातापि: (आ) जटायु: (इ) संपाति: (ई) इल्वल:

LIBRARY,
Surana College,
No. 16, South End Road,
BANGALORE - 560 004

P.T.O.

II. द्वयो: प्रश्नयो: प्रबन्ध लिखत। **2x10=20**

ಎರಡು ಪ್ರಶ್ನೆಗಳಿಗೆ ಪ್ರಬಂಧವನ್ನು ಬರೆಯಿರಿ.

Write an essay on **any two** questions.

1. शूर्पणखांया: अपमानं ; तत्परिणामं च।

   ಶೂರ್ಪಣಖಿಯ ಅಪಮಾನ ಮತ್ತು ಅದರ ಪರಿಣಾಮ.

   Insult of Shurpanakha and its affects.

2. प्रमुख पञ्चचम्पू काव्यानि।

   ಪ್ರಸಿದ್ಧ ಐದು ಚಂಪೂ ಕಾವ್ಯಗಳು.

   Five popular Champu works.

3. अगस्त्य महर्षे: महिमा।

   ಅಗಸ್ತ್ಯ ಮಹರ್ಷಿಗಳ ಮಹಿಮೆ.

   The power of Sage Agastya.

III. (अ) **श्लोकद्वयस्य** अनुवादं कृत्वा विवृणुत। **2x4=8**

ಎರಡು ಶ್ಲೋಕಗಳನ್ನು ಅನುವಾದಿಸಿ, ವಿವರಿಸಿ.

Translate and explain **any two** shlokas.

1. यातु न: पदवी सैषा यातुनश्चास्य लक्ष्मण।
   यातुकामं तयैवेदं यातु कामं न हन्यताम्।।

2. दशरथात्मजयुग्मनिरीक्षणक्षणसमाकुलबुद्धिरियं दधौ।
   उभयकूलसमस्थितशाद्वलभ्रमगतागतखिन्नगवीदशाम्।।

3. यत्र कान्ता न पश्यन्ति क्लान्ता विरहवहिना।
   निशावसानवेलां च वेलां च व्यसनाम्बुधे:।।

4. तस्मिन् महापथधिया वदनं विगाह्य
   निर्गन्तुमक्षमतया जठरे लुठद्भि:।
   वन्यैर्गजैरजगरा: पिशिताशनेभ्यो
   वातापिदानवदशामुपदेशयन्ति।।

(आ) गद्यभागम् अनुवदत। **1x4=4**

ಗದ್ಯಭಾಗವನ್ನು ಅನುವಾದಿಸಿ.

Translate the passage.

ततो निकृत्तशिरसि त्रिशिरसि विस्रगन्धिना शरीरस्रुतवासास्रोतसाप्रेत्यापि क्रियमाणा श्रमदूषणो दूषणे च रोषभीषणवीक्षणखर: खरो राघवमाह्वयत।

अथवा

तत: खरो गृहीतदण्ड: सकृदनुभूयमाननमनोन्नमनायास: समरसमापन चतुरं चतुराननास्त्रसन्धानदशाईं दाशाईशरासनं ग्राहयितुकाम इव रामहस्तात्प्राक्तनं चापं शरैरपजहार।

LIBRARY
Surana College

IV. **द्वयोः** वाक्ययोः ससन्दर्भं विवृणुत। **2x4=8**

ಎರಡು ವಾಕ್ಯಗಳನ್ನು ಸಂದರ್ಭಸಹಿತ ವಿವರಿಸಿ.

Annotate **any two** sentences.

1. चचार सुरपथे तडित्वानिव।

2. क्व च कल्पलता अल्पाभरणा तरुणी।

3. दशरथ दुःखापं प्राण नैवापमम्भः।

4. भूयः शूर्पणखां भेजे शूर्पकारातिबाधिता।

V. **द्वयोः** लघुटिप्पणीं लिखत। **2x2½=5**

ಎರಡಕ್ಕೆ ಲಘು ಟಿಪ್ಪಣಿ ಬರೆಯಿರಿ.

Write short notes on **any two**.

(1) जटायुः (3) चम्पूलक्षणं

(2) खरः (4) लक्ष्मणः

VI. संस्कृतभाषया उत्तराणि लिखत। **5x1=5**

(a) **पञ्चानाम्** एव दोषान् परिहरत।

(1) राधा कृष्णं सह नृत्यति।

(2) नवनीतं कृष्णस्य रोचते।

(3) नाहं सिंहेन भीतः।

(4) चोरः गृहात् प्रविशति।

(5) अग्निं स्वाहा।

(6) सा बालकः।

(7) गुरुं नमः।

(8) वासुकिः पाताले अधिवसति।

(b) संस्कृतेन वाक्यं रचयत। (**पञ्चानाम् एव**) **5x1=5**

(1) अद्य

(2) यदि-तर्हि

(3) पश्यति

(4) कृत्वा

(5) मम

(6) सर्वत्र

(7) वीक्ष्य

(8) पत्रं

LIBRARY
Surana College
No. 15, South End Road,
BANGALORE - 560 004

VII. संस्कृतभाषया अनुवदत। 5

ಒಂದಾನೊಂದು ಕಾಲದಲ್ಲಿ ನಿಷಧ ದೇಶದಲ್ಲಿ ನಳನೆಂಬ ರಾಜನಿದ್ದನು. ಅವನು ಶ್ಲಾಘ್ಯ ಗುಣಸಂಪನ್ನನೂ, ಸುಂದರನೂ, ಪರಾಕ್ರಮಿಯೂ ಆಗಿದ್ದನು. ಈ ರೀತಿಯಾಗಿ ಇಂದ್ರನಿಗೆ ಸಮನಾಗಿದ್ದನು. ಹಾಗೆಯೇ ವಿದರ್ಭ ದೇಶದ ರಾಜನಾದ ಭೀಮನ ಮಗಳಾದ ದಮಯಂತಿಯೂ ಕೂಡಾ ಅಪ್ರತಿಮ ಸುಂದರಿಯೂ, ಶೀಲವಂತೆಯೂ ಆಗಿದ್ದು ತ್ರಿಲೋಕಗಳಲ್ಲಿ ಯಶೋ ಪಾತ್ರಳಾಗಿದ್ದಳು.

Once upon a time there was a king called Nala in Nishadha Country. He was praiseworthy, good-looking, valorous like Lord Indra. Similarly in the country called Vidarbha, King Bheema's daughter by name Damayanthi was so beautiful and popular in all the three worlds.

- o O o -